राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 328 | जौनपुर | शुक्रवार, 18 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नायडू ने 2047 तक आंध्र प्रदेश को भारत का शीर्ष राज्य बनाने का खाका किया पेश

आंध्र प्रदेश, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की आर्थिक वृद्धि का विस्तृत खाका 'स्वर्ण आंध्र प्रदेश/2047 की ओर' नयी दिल्ली में पेश किया। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से आर्थिक वृद्धि के कार्यबल द्वारा तैयार की गई यह रिपोर्ट, 2047 तक आंध्र प्रदेश को भारत के अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए एक परिवर्तन कारी दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग जगत के दिग्गजों के बीच बृहस्पतिवार को इसे पेश करते हुए नायडू ने कहा, '' 2047 तक आंध्र प्रदेश भारत का सर्वश्रेष्ठ राज्य होगा, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करेगा और हम इसे साकार नायडू ने कहा कि दक्षिणी राज्य का लक्ष्य 2047 तक 2400 करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

भाजपा विधायक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गुणों की तुलना राम और कृष्ण से की

मुबई, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक परिणय फुके ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का चरित्र भगवान राम जैसा और बुद्धि भगवान कृष्ण जैसी है। फुके ने विधान परिषद में कहा कि फडणवीस ने महाराष्ट्र को विकास की नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और इसे शीर्ष राज्य बनाया है। उन्होंने कहा, ''हम उनके भजन गाते हैं क्योंकि वह हमारे लिए भगवान के समान हैं। मुझे नहीं पता कि देवेंद्र फडणवीस भगवान हैं या नहीं, लेकिन वह एक ईश्वरीय व्यक्ति हैं।'' फुके ने कहा, ''उनका (फडणवीस का) भगवान श्री राम जैसा चरित्र, कृष्ण जैसी बुद्धि, महादेव जैसी सहनशीलता एवं विष को पचाने की क्षमता, सूर्य जैसा तेज और चंद्रमा जैसा शांत स्वभाव है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता फडणवीस की प्रशंसा करते हैं और उनका आभार व्यक्त करते हैं।

अमरनाथ यात्रा के बालटाल मार्ग पर भूस्खलन में महिला तीर्थयात्री की मौत

जम्मू कश्मीर, (एजेंसी)। गंदेरबल जिले में अमरनाथ यात्रा के बालटाल मार्ग पर बुधवार को भूस्खलन की घटना में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार शाम को बालटाल मार्ग पर रेलपथरी में हुए भूस्खलन के कारण पवित्र गुफा की ओर जाने वाले चार तीर्थयात्री बह गए। उन्होंने बताया कि घायलों को बालटाल आधार शिविर के अस्पताल ले जाया गया, जहां एक महिला तीर्थयात्री को मृत घोषित कर दिया गया, जिसकी पहचान राजस्थान निवासी सोना बाई (55) के रूप में हुई है। इसके साथ ही इस बार अमरनाथ यात्रा के दौरान मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 पहुंच गई है।

सीएम योगी, शिवभक्तों के लिए की गईं तैयारियों का लेंगे जायजा

वाराणसी, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को श्रीकाशी विश्वनाथ और बाबा कालभैरव के दर्शन करेंगे। इसके बाद वह कुछ निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे और अफसरों के साथ बैठक करेंगे। सावन में कांवड़ियों, शिवभक्तों के लिए की गईं तैयारियों को देखेंगे। वह सारनाथ केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में भी जा सकते हैं। इसके अलावा शुक्रवार को वसंता कॉलेज में बिरसा मुंडा और जनजातीय समूह से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। जेल रोड पर बने संगीत पथ का भी निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दर्शन के बाद शिवभक्तों के दर्शन के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे और उसके बाद वह किसी एक निर्माणाधीन परियोजना का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद अफसरों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के आने से पहले बुधवार को सचिव विवेक अग्रवाल, बौद्ध तिब्बती संस्थान के संयुक्त सचिव समर नंदा, भारतीय पुरातत्व विभाग के महानिदेशक यदुवीर सिंह रावत सहित सात सदस्यीय दल दोपहर को सारनाथ संग्रहालय पहुंचे। उन्होंने मुख्य हॉल में रखे राष्ट्रीय चिह्न शीर्ष सिंह सहित अन्य मूर्तियों का अवलोकन किया। इसके बाद पुरातात्विक परिसर में प्राचीन मूलगंध कुटी, बौद्ध मंदिर के अवशेष, अशोक की लाट, धमेख स्तूप को देखा। इसके बाद केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में बने सोवा रिगपा अस्पताल का निरीक्षण कर उपचार की जानकारी ली। वहीं सीएम के आगमन को लेकर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बैठक की और सभी जरूरी दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को चंदौली आएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने बताया कि दोपहर 1रू35 बजे मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर जगदीशसराय के पास हेलिपैड पर उतरेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बैठक की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी साझा की गई। पोस्ट में कहा गया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' मोदी के पांच देशों की यात्रा से भारत लौटने के कुछ दिनों बाद यह मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री ने घाना, त्रिनिदाद और टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा की, जिसके बाद 10 जुलाई को वह स्वदेश लौट आए थे। यह बैठक संसद के मानसून सत्र से पहले हुई है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने वाला है।

ओम बिरला ने कोटा बाढ़ पीड़ितों के परिजन से मुलाकात की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोटा–बूंदी से सांसद ओम बिरला ने कोटा जिले के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का बुधवार को दौरा किया और उन लोगों के परिवारों से मुलाकात की जो पिछले कुछ दिनों में या तो बहने या अन्य कारणों से मारे गए। लोकसभा अध्यक्ष ने आवासीय क्षेत्रों में वर्षा जल के प्रवेश को रोकने के लिए किए जा रहे विकास कार्यों और वृक्षारोपण का भी जायजा लिया। बिरला सबसे पहले रणपुर क्षेत्र गए, जहां भारी बारिश से व्यापक नुकसान हुआ है। उन्होंने उस स्थान का दौरा किया जहां सोमवार को 27 वर्षीय एक महिला अपने एक रिश्तेदार के साथ स्कूटर पर नाले को पार करते समय उसमें बह गई थी। बिरला ने जलभराव को रोकने के लिए रणपुर तालाब और अलानिया क्षेत्र से पानी को चंबल नदी की ओर मोड़ने की योजना पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को नालों की क्षमता बढ़ाने के भी निर्देश दिए।

मासूम की पीड़ा सुन सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया अपना ही फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अदालत ने कहा कि बच्चा अपने पिता को एक अजनबी मानता था और उसके साथ एक रात भी नहीं बिताई थी। दूसरी ओर, अदालत ने यह भी कहा कि बच्चा अपनी माँ को अपनी प्राथमिक देखभालकर्ता मानता था और उसकी उपस्थिति में सुकून महसूस करता था। अदालत ने कहा कि मुख्य और अविभाज्य मानक बच्चे के कल्याण का सर्वोपरि विचार है, जो कई कारकों से प्रभावित होता है, निरंतर विकसित होता रहता है और इसे किसी सीमा में नहीं बाँधा जा सकता। इसलिए, प्रत्येक मामले को उसके विशिष्ट तथ्यों के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एक 13 वर्षीय बच्चे की कस्टडी उसकी माँ को सौंपने के अपने आदेश को पलट दिया। अदालत ने पाया कि बच्चे में माँ से अलग होने के बाद चिंता की स्थिति पैदा हो गई थी। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मामलों में बच्चे के सर्वोत्तम हितों के अनुरूप लचीला रुख अपनाया जाना चाहिए। अगस्त 2024 में अपने पिछले आदेश में, शीर्ष अदालत ने केरल उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा था जिसमें बच्चे की स्थायी कस्टडी उसके पिता को दी गई थी। हालांकि, बच्चे की मां ने एक मनोवैज्ञानिक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक समीक्षा याचिका दायर की, जिसमें संकेत दिया गया था कि वह चिंताग्रस्त है और उसे अलगाव चिंता विकार का उच्च जोखिम है। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले आदेश के बाद पिता ने बच्चे को उसकी मां से न मिलने देने की धमकी दी, जिससे उसकी मानसिक स्थिति और खराब हो गई। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मनोवैज्ञानिक की रिपोर्ट में नए साक्ष्य हैं तथा बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के कारण हस्तक्षेप आवश्यक है। पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि हिरासत के मामलों में, बच्चे का सर्वोत्तम हित न्यायिक निर्णय के केंद्र में रहता है और बच्चे के कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कारक निस्संदेह ऐसी प्रकृति का मामला बन जाता है जिसका निर्णय पर सीधा असर पड़ता है और इसे बदलने की संभावना होती है। अदालत ने कहा कि बच्चा अपने पिता को एक अजनबी मानता था और उसके साथ एक रात भी नहीं बिताई थी। दूसरी ओर, अदालत ने यह भी कहा कि बच्चा अपनी माँ को अपनी प्राथमिक देखभालकर्ता मानता था और उसकी उपस्थिति में सुकून महसूस करता था। अदालत ने कहा कि मुख्य और अविभाज्य मानक बच्चे के कल्याण का सर्वोपरि विचार है, जो कई कारकों से प्रभावित होता है, निरंतर विकसित होता रहता है और इसे किसी सीमा में नहीं बाँधा जा सकता। इसलिए, प्रत्येक मामले को उसके विशिष्ट तथ्यों के आधार पर निपटाया जाना चाहिए।

पहलगाम में गोलियां बरसाने वाले आतंकवादियों की पहचान हुई - उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

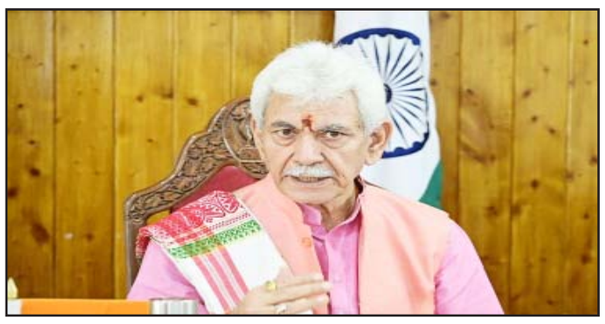

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा। मनोज सिन्हा ने गांधी स्मृति में 'जम्मू–कश्मीररू शांति की ओर' विषय पर व्याख्यान देते हुए जोर देकर कहा कि कश्मीर घाटी में शांति भंग करने की कोई भी कोशिश कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा, "पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। अच्छी खबरें जरूर आएंगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना उचित नहीं होगा।" मनोज सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच साल में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष आका भी अब जिंदा नहीं रहे और उनका (आतंकियों का) भी यही हश्र होगा। हम आपको यह भी बता दें कि पिछले दिनों एक अखबार को दिये साक्षात्कार में मनोज सिन्हा ने कहा था कि वह पहलगाम हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने देर से ही सही, लेकिन आखिरकार स्वीकार कर लिया कि पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता जिम्मेदार थी। उन्होंने इस आतंकवादी हमले के सिलसिले में जिम्मेदारी तय करने का आह्वान किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। उमर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, "80 दिन बाद ही सही, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। हमने यह (पहले) नहीं कहा, जबकि हम जानते थे कि इतना बड़ा हमला (खुफिया) विफलता के बिना नहीं हो सकता।" उमर ने कहा कि अब जब विफलता स्वीकार कर ली गई है, तो जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

बिहार में कहीं भी सुरक्षित नही है जनता : तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गुरुवार को बिहार सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या राज्य में कहीं भी कोई सुरक्षित है। पटना के एक अस्पताल में भर्ती एक कैदी को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। एक्स पर एक पोस्ट में तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकारी अपराधियों ने आईसीयू में घुसकर अस्पताल में भर्ती एक मरीज को गोली मार दी। क्या बिहार में कहीं भी कोई सुरक्षित है? क्या ऐसा 2005 से पहले हुआ है? पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि कैदी चंदन मिश्रा आवश्यक चिकित्सा देखभाल के आधार पर पैरोल पर बाहर था और उसे इलाज के लिए पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तभी अज्ञात हमलावरों ने गुरुवार सुबह अस्पताल में घुसकर उसे गोली मार दी। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को पुलिस ने घटनास्थल पर जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि मैं राज्यपाल से बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने का अनुरोध करूँगा। बिहार में नर्स, डॉक्टर, कोई भी सुरक्षित नहीं है। ये नेता सिर्फ पैसे के बल पर राजनीति कर सकते हैं। पप्पू यादव ने आगे कहा कि अपराधियों का चयन उनकी जाति के आधार पर होता है, फर्जी एनकाउंटर किए जाते हैं। ये गोली चलाने वालों को बचाते हैं। बिहार में प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है।

बिहार तक पहुंची फ्री बिजली की स्कीम, चुनाव से पहले नीतीश का बड़ा दांव

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को सभी घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की। यह घोषणा इस साल अक्टूबर–नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले की गई है। यह राज्य में इस तरह का पहला और चुनावों से पहले की गई रियायतों की श्रृंखला में नवीनतम कदम है। नीतीश ने एक्स पर लिखा कि हमलोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय कर दिया है कि 1 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। सीएम ने आगे लिखा कि इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा। हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने हेतु पूरा खर्च राज्य सरकार करेगी तथा शेष के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली का 125 यूनिट तक कोई खर्च नहीं लगेगा, साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जाएगी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस ऐलान को लेकर कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ मिलेगा... अगले तीन वर्षों में लाभ प्रदान करने के लिए छतों या आस–पास के सार्वजनिक स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुटीर ज्योति योजना के तहत, अत्यंत गरीब परिवारों के लिए, राज्य सरकार सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का पूरा खर्च वहन करेगी,।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के मानसून सत्र से पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया और उन्हें राष्ट्र–विरोधी या देश के खिलाफ कुछ भी न बोलने की सलाह दी। रिजिजू ने विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करने के पीछे गांधी की मंशा पर सवाल उठाया और कहा कि देश के लिए अच्छा काम करने में विपक्ष की भी भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा देश की विदेश नीति पर प्रधानमंत्री की आलोचना करने से देश का भला नहीं होगा। देश के विकास में विपक्ष की भी भूमिका है। संसद में चर्चा होगी, लेकिन विदेश नीति पर दो राय नहीं होनी चाहिए। लोकसभा में विपक्ष के नेता पर पाकिस्तान की भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जिस तरह से गांधी विदेश नीति पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, उससे देश को नुकसान होता है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान, हमने विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री पर अलग से हमला नहीं किया। जिस तरह से राहुल गांधी पाकिस्तान की भाषा बोलकर विदेश नीति पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं, उससे देश को नुकसान होता है। हम उन्हें सलाह देंगे कि विपक्ष के नेता होने के नाते उन्हें देश–विरोधी कुछ भी नहीं कहना चाहिए। रिजिजू की यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा विदेश मंत्री एस जयशंकर पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात को लेकर हमला करने के एक दिन बाद आई है। उन्होंने दावा किया था कि वह भारत की विदेश नीति को बर्बाद करने के उद्देश्य से एक ष्पूरी तरह से फैला हुआ सर्कसष चला रहे हैं। अन्य कांग्रेस नेताओं ने भी जयशंकर पर निशाना साधा और बताया कि कैसे चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को भरपूर समर्थन दिया। गांधी ने एक्स पर लिखा, मुझे लगता है कि चीनी विदेश मंत्री आएंगे और (प्रधानमंत्री) मोदी को चीन–भारत संबंधों में हालिया घटनाक्रमों से अवगत कराएँगे। विदेश मंत्री अब भारत की विदेश नीति को बर्बाद करने के उद्देश्य से एक बड़ा सर्कस चला रहे हैं।

संपादकीय

काबुल तक पुल के पुनर्निर्माण के लिए आठ कदम

अफगानिस्तान में हमेशा से अपार सद्भावना मिली है। यह अब भी सच है, जब काबुल फिर से तालिबान के शासन में आ गया है। दुख की बात है कि पश्चिमी मीडिया के आख्यानों से प्रभावित कई भारतीय तालिबान को जिहादी आतंकवादी मानते हैं। जब पराजित अमेरिका ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया, जिससे तालिबान के सत्ता पर त्वरित कब्जा करने का रास्ता साफ हो गया, तो उन्होंने इसे भारत के लिए एक आपदा के रूप में देखा। खुद को यह विश्वास दिलाकर कि तालिबान पाकिस्तान द्वारा निर्मित और नियंत्रित एक कठपुतली मात्र है, उन्होंने भारत के खिलाफ पाकिस्तान–तालिबान के संयुक्त आतंकवादी हमलों में तेजी आने की आशंका जताई। काबुल में चार साल पुराने तालिबान शासन ने इन आशंकाओं को झुठला दिया है। काबुल और इस्लामाबाद के बीच संबंधा तनावपूर्ण रहे हैं। जब मैं फरवरी 2024 में अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के दोहा राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख, एक वरिष्ठ तालिबान नेता सुहैल शाहीन से मिला, तो उन्होंने कहा, ष्भारत को यह संदेह त्याग देना चाहिए कि तालिबान श्पाकिस्तान के करीबश और श्भारत के खिलाफश है। हमारी सरकार इस सिद्धांत के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि हम किसी को भी भारत या किसी अन्य देश के खिलाफ अपनी धरती का इस्तेमाल नहीं करने देंगे।ष तब से मैं कई तालिबान अधिकारियों से मिल चुका हूँ, और उन सभी ने यही राय व्यक्त की है। यह एहसास हुआ है कि काबुल की मौजूदा सरकार को विरोधी नहीं समझा जाना चाहिए और वह एक महत्वपूर्ण सहयोगी भी हो सकती है। इसके परिणामस्वरूप पिछले एक साल में राजनयिक संपर्कों की झड़ी लग गई है। जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 15 मई को अपने अफगान समकक्ष आमिर खान मुत्ताकी को फोन किया, और पहलगाम आतंकवादी हमले की उनकी निंदा की गहरी सराहना की,ष तो यह दिल्ली और काबुल के बीच सर्वोच्च–स्तरीय संवाद का प्रतीक था। धीमी गति से काम कर रही है। 3 जुलाई को, रूस अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाला पहला देश बन गया। चीन, संयुक्त अरब अमीरात और उज्बेकिस्तान ने काबुल में अपने राजदूत नियुक्त किए हैं। बीजिंग ने मई में चीन, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की त्रिपक्षीय बैठक की मेजबानी कीय चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का अब अफगानिस्तान तक विस्तार किया जाएगा। भारत को भी बिना किसी देरी के अफगानिस्तान के साथ सामान्य राजदूत संबंध स्थापित करने चाहिए। अफगानिस्तान बदल रहा है, और और भी बदलेगा। चार दशकों के युद्ध में अकल्पनीय पैमाने पर मौतें और विनाश झेलने के बादकृपहले सोवियत संघ और बाद में अमेरिका द्वाराकृअब उसका ध्यान शांति और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण पर केंद्रित है। यह स्वीकार करते हुए कि देश का प्रवासी समुदाय एक बहुमूल्य संसाधन है, तालिबान दस लाख से ज़्यादा प्रतिभाशाली अफगान पेशेवरों की वापसी के लिए परिस्थितियाँ बनाना चाहता है, जो अतीत की अशांत परिस्थितियों के कारण देश छोड़कर चले गए थे। कुछ तालिबान नेता स्वयं महिला शिक्षा पर प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, भारत को हमारे दक्षिण एशियाई परिवार के इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सदस्य के साथ चौतरफा जुड़ाव बढ़ाने में तेजी लानी चाहिए।

समाज के विश्वास व पीड़ित की आशा का कानून

गोपाल धर्मक्षेत्र–कुरुक्षेत्र के नाम से विख्यात हरियाणा ने एक बार फिर देश की न्याय व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन का सूत्रपात किया है। भारतीय न्याय प्रणाली की जड़ें महाभारत और मौर्यकाल जैसी सभ्यताओं में गहराई तक जमी रही। जहां नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और न्याय की सर्वोच्चता सदैव अक्षुण्ण रही। इसी परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए, हरियाणा ने 1 जुलाई

2024 से प्रभावी हुए तीन नए आपराधिक कानूनोंकृ भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियमकृ के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री व केंद्रीय गृहमंत्री के नेतृत्व में यह परिवर्तन केवल विधियों में संशोधन नहीं, बल्कि न्याय–प्रणाली को औपनिवेशिक सोच से मुक्त कर संस्कृति, संवेदना और समसामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का एक क्रांतिकारी कदम है। दरअसल, इन नए कघनूनों में भीड़ हिंसा, उन्नत तकनीकी अपराध तथा महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा ने इन कघनूनों को जमीनी स्तर पर लागू करने हेतु ठोस तैयारी की। राज्य के सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों, लोक अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जांच अधिकारियों को आधार प्रमाणीकरण, त्वरित दस्तावेजीकरण और वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों से सुसज्जित किया गया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 346 के अंतर्गत अब गंभीर अपराधों की सुनवाई प्रतिदिन करना अनिवार्य है। इससे न्याय प्रक्रिया में विलंब कम हुआ है। 'चिह्नित अपराध' योजना के अंतर्गत 1,683 जघन्य अपराधों की निगरानी उच्चतम स्तर पर हुई जिनमें फरीदाबाद, डबवाली और करनाल जैसे जिलों में दोषसिद्धि 95 प्रतिशत से भी अधिक रही है। हरियाणा ने न्याय प्रणाली में तकनीकी नवाचारों को भी पूर्णतः अपनाया है। वाहन चोरी जैसे मामलों में स्वतः प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकरण, आधार सत्यापित बयानों की रिकॉर्डिंग और मेडलीपर प्रणाली के माध्यम से चिकित्सा परीक्षण और शव परीक्षण की रिपोर्टिंग को समयबद्ध किया गया। इसके परिणामस्वरूप 90 प्रतिशत से अधिक मामलों का निपटारा एक सप्ताह के भीतर हुआ। ट्रैकिया प्रणाली के माध्यम से फॉरेंसिक प्रमाणों की जांच और लेखा–जोखा पूरी तरह पारदर्शी और उत्तरदायी बना है। फरवरी 2025 में राज्य सरकार द्वारा लागू हरियाणा गवाह संरक्षण योजना के तहत गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उन्हें विभिन्न स्तरों में वर्गीकृत किया गया है, और उन्हें खतरे के अनुसार विशेष सुरक्षा प्रदान की गई। महिलाओं–बच्चों के विरुद्ध अपराधों के त्वरित निपटान हेतु गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला में विशेष त्वरित न्यायालय कार्यरत हैं। चिन्हित अपराधों के तहत मामलों की निगरानी से दोषसिद्धि दर में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अप्रैल 2025 तक 1,764 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें दोषसिद्धि दर 77.15 प्रतिशत रही। वर्ष 2024 में जुलाई से दिसंबर तक यह दर 89 प्रतिशत तक रही। उल्लेखनीय मामलों में शीघ्र निर्णय हुए हैं। यमुनानगर जिले में एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म व हत्या के मामले में 140 दिनों में मृत्युदंड दिया गया। इसी प्रकार गुरुग्राम और पानीपत के मामलों में मात्र 2 से 3 महीनों में निर्णय हो गया। अब न्याय में देरी की परंपरा समाप्त हो रही है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 356 के अंतर्गत अब ऐसे आरोपियों के विरुद्ध भी सुनवाई संभव है जो न्यायालय से अनुपस्थित हैं। हरियाणा में ऐसे 193 मामलों की पहचान की गई है, और चार मामलों में न्यायालयों ने अनुपस्थित आरोपियों के विरुद्ध निर्णय भी दिए हैं। हरियाणा ने विचाराधीन बंदियों की पेशी के लिए वीडियो कान्फ्रेंसिंग को भी अपनाया है। अब 78 प्रतिशत से अधिक पेशियां इसी माध्यम से की जा रही हैं, जिससे सुरक्षा और व्यय दोनों में लाभ हुआ है। राज्य में 2,117 स्थानों को गवाह गवाही केन्द्र के रूप में अधिसूचित किया गया है, जहां गवाह अपनी गवाही ऑडियो वीडियो माध्यम से दे सकते हैं। प्रत्येक जिले में महिलाओं और संवेदनशील गवाहों के लिए पृथक कक्ष भी स्थापित किए गए हैं। निस्संदेह, यदि राजनैतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक प्रतिबद्धता और तकनीकी नवाचार का सही समन्वय हो तो न्याय व्यवस्था को जनपक्षीय, त्वरित और पारदर्शी बनाया जा सकता है। न्याय अब केवल कघनून का विषय नहीं रहा, बल्कि यह अब समाज के विश्वास, पीड़ित की आशा और अपराधी के लिए दंड की गारंटी बन चुका है। हरियाणा अब इस न्यायिक नवजागरण का अग्रदूत बनकर देश को दिशा दे रहा है।

साझा संस्कृति के नाम पर साम्राज्यवादी अतीत की नुमाइश

ऐसे में जब भारत के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और इसके लिए वहां पहुंचने जा रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत के लिए ब्रिटेन लाल कालीन बिछाने की तैयारी में लगा है, ठीक इस दौरान वह औपनिवेशिक शासन के दौरान भारत से ले जाई गई कलाकृतियों से भरे एक संग्रहालय को वित्तीय मदद देने के लिए चुपचाप सालाना 730 करोड़ रुपये से ज़्यादा खर्च कर रहा है। ब्रिटिश संग्रहालय – जहां हजारों मूर्तियां, पांडुलिपियां, सिक्के और यहां तक कि मानव अवशेष रखे हुए हैं– वहां पर 'प्राचीन भारत रू जीवंत परंपराएं' नामक नई प्रदर्शनी को साझा संस्कृति का उत्सव मनाने के नाम पर पेश किया गया है। लेकिन धूपबत्ती की खुशबू और मद्धिम रोशनी के पीछे कहीं ज्यादा परेशान करने वाली सच्चाई छिपी है रू यह सांस्कृतिक कूटनीति नहीं है। यह तो सरकारी खर्च पर अपने राजपाट के पुराने वैभव की यादगार है। ब्रिटिश सरकार ने 2023–24 में, संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग के जरिए संग्रहालय को 70.1 मिलियन पाउंड यानि 730 करोड़ रुपये जारी किए – जोकि इसके वार्षिक परिचालन बजट का लगभग आधा है। करदाताओं की कमाई के उदारतापूर्ण लाभार्थियों में संग्रहालय की नवीनतम प्रस्तुति हैरू 'प्राचीन भारत जीवंत परंपराएं', एक प्रदर्शनी जो आगंतुकों को 'दर्शन' करने के लिए आमंत्रित करती है – नारा दिया हैः 'दिव्यता से परिपूर्ण होने के लिए दिव्य दर्शन'। लेकिन जो प्रदर्शित किया जा रहा है वह आध्यात्मिकता नहीं । यह विगत में साम्राज्य के वैभव का प्रदर्शन है, जिसका वित्तपोषण ब्रिटिश नागरिकों के करों से किया गया और इन कलाकृतियों को पाने के पीछे अपनाई गई क्रूरता अथवा लूट को छिपाने के लिए सावधानीपूर्वक बुने शब्दजाल का मुलम्मा चढ़ाकर 'पवित्रता' का अहसास बनाया जा रहा है। सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम यूके (एफओआई) के तहत जारी दस्तावेजों के अनुसार संग्रहालय में 38,000 से अधिक दक्षिण एशियाई कलाकृतियां हैं, जिनमें बहुतेरी औपनिवेशिक शासन के दौरान लाई गई। अधिकांश अभी भी भंडार गृहों में बंद हैं। उपरोक्त प्रदर्शनी में 178 कलाकृतियां प्रदर्शित की हैं और इन्हें स्थापित करने में 839,000 पाउंड (8.7 करोड़ रुपये) की लागत आई है। संग्रहालय के रिकॉर्ड बताते हैं कि 2024–25 में 12.7 मिलियन पाउंड (132 करोड़ रुपये) 307 सुरक्षा एवं आगंतुक सेवा कर्मचारी नियुक्त करने में खर्च आएदृ जो इस प्रदर्शनी के बजट का लगभग पंद्रह गुना है। मानो पारदर्शिता या वापसी से ज़्यादा अहम है शाही लूट की सुरक्षा। बहुत कम आगंतुक इस संस्थान की गहरी नींव की समझ रखते हैं। जब 1753 में ब्रिटिश संग्रहालय खुला, तो इसकी शुरुआत सर हैंस स्लोएन के निजी संग्रह की कलाकृतियों से हुई थी, जिनकी संपत्ति का एक हिस्सा जमैका के गन्ना खेतों में गुलाम अफ्रीकी श्रमिकों की कड़ी मेहनत से पाया था। साल 1834 में ब्रिटेन द्वारा दास प्रथा समाप्ति के बाद, इनमें से कई गन्ना फार्मों का काम बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से अनुबंधों पर लाए गए भारतीय मजदूरों को कैरिबियन पार पहुंचाकर जारी रखा गया, जहां पर उन्हें मामूली मजदूरी पर बरसों कठोर श्रम करना पड़ा। संग्रहालय के कक्ष औपनिवेशिक वस्तुओं से भरे पड़े हैं। एक प्रसिद्ध मुगल लघुचित्र में राजकुमार खुर्रम – जो बाद में सम्राट शाहजहां बने – को सोने में तोला जा रहा है। कुषाण, गुप्त और मुगल काल के प्राचीन भारतीय सोने के सिक्कों पर लक्ष्मी, अश्वमेध यज्ञ और शाही अनुष्ठानों के दृश्य अंकित हैं। कभी किसी की भेंट या खघ्जाना रहे ये सिक्के अब ब्लूम्सबरी में शीशे के पीछे रखे हुए हैं दृ विजय ट्राफी में बदल दिए गए हैं श्रद्धा–अवशेष। फिर भी यह संस्थान फल–फूल रहा है – प्रवेश शुल्क की कमाई से नहीं, बल्कि सरकारी वित्तपोषण से। इसके निदेशक, डॉ. निकोलस कलिनन, जिन्हें 2024 में नियुक्त किया गया था, उन्हें 215,841 पाउंड (2.26 करोड़ रुपये) के विज्ञापित वेतन पर नियुक्त किया गया है। एक अन्य सूचना की स्वतंत्रता विज्ञप्ति से पता चलता है कि ब्रिटिश संग्रहालय में 110 क्यूरेटर और प्रोजेक्ट क्यूरेटर कार्यरत हैं, जिनका औसत वार्षिक वेतन 39,508 पाउंड (41 लाख रुपये) है। इन पेशेवरों का काम दुभाषिए के रूप में इन वस्तुओं का इतिहास बताना भी है – जो बताने से ज्यादा छिपाने का है – जिसे यहां वैश्विक धरोहर का नाम दे रखा है। प्रदर्शनी बनाने के हिस्से तौर पर, एक सामुदायिक सलाहकार पैनल का गठन किया गया था – जिसमें हिंदू, जैन और बौद्ध अनुयायी शामिल थे – और उन्हें उनके इस सांस्कृतिक योगदान के लिए अघोषित मानदेय दिया गया। लेकिन उनसे इनकी वापसी या विवादित स्वामित्व के बारे में बात करने की मनाही थी। ज़्यादा परेशान करने वाली बात है संग्रहालय में करीब 6,000 मानव अवशेषों के संग्रह को लेकर चुप्पी, जिनमें कुछ अवशेष दक्षिण एशिया से भी हैं – खोपड़ियां, हड्डियां और अनुष्ठानिक चीजें। ये अवशेष संग्रहालय के नीतिगत दस्तावेजों में सूचीबद्ध हैं, फिर भी इन्हें 'जीवित परंपराओं' की खोज का दावा करने वाली इस प्रदर्शनी से बाहर रखा गया है। इस साल की शुरुआत में, नगालैंड के आदिवासी प्रतिनिधि ब्रिटिश शासन के दौरान लाए गए अपने पूर्वजों के अवशेषों की वापसी की मांग को लेकर ब्रिटेन आए थे। उनकी यह मांग विश्व के बाकी ब्रिटिश औपनिवेशिक देशों से लगातार बढ़ रही इस किस्म की दावेदारी का हिस्सा थी, जो इनकी लूट की नैतिक स्वीकृति और भौतिक वापसी करना, दोनों, चाहते हैं। यूरोपीय देश इस दिशा में कदम उठाने लगे हैंरू जर्मनी से नाइजीरिया को, फ्रांस से बेनिन एवं सेनेगल को, नीदरलैंड से श्रीलंका और इंडोनेशिया को वहां से लाई गई ।

.... विविध ....

अगर हार्ट 50% से कम काम कर रहा है तो शरीर देता है ये चेतावनी संकेत

जब हमारा दिल (हार्ट) अपनी सामान्य कार्यक्षमता यानी खून पंप करने की क्षमता 50ः से कम हो जाती है तो इसे दिल की कमजोरी या हार्ट फेल्योर कहा जाता है। इस स्थिति में दिल शरीर को पर्याप्त खून और ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता। दिल की क्षमता कम होने से शरीर में कई लक्षण दिखाई देने लगते हैं जो अक्सर लोगों द्वारा मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। लेकिन ये लक्षण गंभीर हृदय रोग का संकेत हो सकते हैं।

दिल की क्षमता कम होने के लक्षण

यदि दिल 50% से कम क्षमता से काम कर रहा है, तो यह धीरे–धीरे शरीर में कई तरह के लक्षण दिखाने लगता है। इन संकेतों को हल्के में न लें। डॉक्टरों के अनुसार, दिल की क्षमता कम होने पर खासकर ये चार लक्षण आमतौर पर दिखते हैं

सांस फूलना– यह सबसे आम लक्षण है। खासकर जब आप चल रहे हों, सीढ़ी चढ़ रहे हों या लेटे हों, तो सांस लेने में दिक्कत होती है। दिल पूरी तरह से खून पंप नहीं कर पाता, जिससे फेफड़ों में फ्लूइड जमा होने लगता है। इसके कारण सामान्य कामों में भी सांस फूलने लगती है।

थकावट और कमजोरी– दिल कम खून पंप करने की वजह से शरीर के अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन और ऊर्जा नहीं मिल पाती। इस वजह से व्यक्ति बिना ज्यादा मेहनत के भी जल्दी थक जाता है।

पैरों, टखनों और पेट में सूजन– जब दिल ठीक से खून नहीं पंप कर पाता, तो शरीर में तरल पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसका असर पैरों, टखनों और पेट में सूजन के रूप में दिखता है। यह सूजन शाम को ज्यादा बढ़ सकती है।

रात को नींद में खलल– नींद के दौरान बार–बार जागना, खासकर सांस फूलने या बेचौनी की वजह से, दिल की कमजोरी का संकेत हो सकता है। इसके अलावा मानसिक भ्रम, चक्कर आना, या ध्यान केंद्रित न कर पाना भी इसके लक्षण हो सकते हैं।

लिवर कैंसर के खतरे को 40 प्रतिशत कम कर देती है ये काली चीज, डॉक्टर भी देते हैं पीने की सलाह

दिल की जांच कब और कैसे कराएं?

अगर आपको लगातार ऊपर बताए गए लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो तुरंत किसी कार्डियोलॉजिस्ट से मिलें। जरूरी जांचें जैसे ECG,ECHO और Ejection Fraction टेस्ट करवाएं। यह जांचें दिल की क्षमता और स्वास्थ्य की स्थिति जानने में मदद करती हैं। समय पर सही इलाज से दिल की कार्यक्षमता को सुधारा जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाई जा सकती है।

दिल को स्वस्थ रखने के उपाय

नियमित व्यायाम करेंरू रोजाना हल्का व्यायाम या योग करें जिससे दिल मजबूत बने।

स्वस्थ और संतुलित आहार लें– तला–भुना और ज्यादा तेल–मसाले वाले भोजन से बचें। फल, सब्जियां और फाइबर से भरपूर भोजन करें।

मानसिक तनाव कम करें– तनाव हृदय रोग का बड़ा कारण होता है। मेडिटेशन या रिलैक्सेशन तकनीक अपनाएं।

धूम्रपान और शराब से दूर रहें– ये आदतें दिल की बीमारियों को बढ़ावा देती हैं।

नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं– समय–समय पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और हार्ट की जांच कराते रहें।

दिल की कमजोरी के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। इसलिए अपने शरीर की बात सुनें और किसी भी असामान्य लक्षण पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। सही समय पर इलाज और जीवनशैली में सुधार से आप अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं और लंबा, खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

बार–बार बीमार पड़ना हो सकता है कैंसर का संकेत

हम अक्सर बदलते मौसम, थकावट या काम के तनाव को अपनी तबीयत बिगड़ने का कारण मान लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप बार–बार बीमार पड़ रहे हैं या सामान्य इन्फेक्शन जल्दी ठीक नहीं हो रहा, तो यह किसी गंभीर बीमारी की ओर इशारा कर सकता है? डॉक्टरों के अनुसार, कुछ लक्षण ऐसे होते हैं जिन्हें अगर बार–बार नजरअंदाज किया जाए तो वे भविष्य में बड़ी परेशानी का कारण बन सकते हैं। खासकर अगर ये लक्षण कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जुड़े हों। छोटी–मोटी सर्दी–जुकाम या थकावट तो आम होती है लेकिन जब ये लगातार, बिना किसी ठोस कारण के हो रही हों और दवाओं का भी असर न हो रहा हो तो सावधान होने का समय है।

इम्यून सिस्टम को कमजोर करते हैं कुछ खास तरह के कैंसर

कुछ कैंसर ऐसे होते हैं जो सीधे शरीर के रोग प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) को प्रभावित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं

ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर)

लिंफोमा (लसीका प्रणाली का कैंसर)

मल्टीपल मायलोमा (प्लाज्मा सेल्स का कैंसर)

ये बीमारियां शरीर में सफेद रक्त कोशिकाआ के काम में रुकावट डालती हैं, जिससे शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। नतीजाः शरीर बार–बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होने लगता है।

कैसे समझें कि इम्यून सिस्टम हो रहा है कमजोर? ये हैं शुरुआती संकेत

बार–बार बुखार आना

सर्दी–जुकाम लंबे समय तक बने रहना

बार–बार गले में खराश या ब्रोंकाइटिस होना

मामूली चोट या कट का जल्दी न भरना

शरीर में लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना

अगर ये लक्षण अक्सर और लंबे समय तक दिखें, तो इसे हल्के में न लें। यह सिर्फ वायरल नहीं, किसी छिपी हुई गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है।

इन 6 लक्षणों को बिल्कुल न करें नजरअंदाज दृ हो सकते हैं कैंसर के संकेत

साल में चार बार या उससे ज्यादा गंभीर इन्फेक्शन होनारू अगर आपको हर कुछ महीनों में बार–बार भारी इन्फेक्शन हो रहा है और वह आपकी दिनचर्या को भी प्रभावित कर रहा है, तो यह शरीर की इम्यूनिटी के कमजोर होने का संकेत हो सकता है।

एक ही इन्फेक्शन का बार–बार लौट आना या इलाज का असर न करनारू कोई इन्फेक्शन जो ठीक होकर फिर से लौट आता है, या जो इलाज के बावजूद ठीक नहीं हो रहा, वह शरीर के अंदर चल रही किसी बड़ी समस्या की ओर इशारा कर सकता है।

लंबे समय तक बुखार रहनारू अगर आपको बिना किसी कारण के बार–बार या लगातार बुखार आता है, तो यह ल्यूकेमिया या अन्य कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। रात में ज्यादा पसीना आनारू अगर आप रात को इतना पसीना बहाते हैं कि कपड़े भीग जाते हैं, तो यह सामान्य नहीं है। यह अक्सर लिंफोमा कैंसर में देखा गया लक्षण होता है। बिना वजह तेजी से वजन घटनारू अगर आपने डाइटिंग नहीं की और फिर भी अचानक वजन घटने लगा है, तो यह शरीर में किसी गंभीर गड़बड़ी का संकेत हो सकता है दृ खासकर कैंसर जैसी बीमारियों का। लिम्फ नोड्स में सूजन या गांठ बननारू अगर आपकी गर्दन, बगल या कमर के पास लिम्फ नोड्स में सूजन या गांठ बन रही है, तो यह कैंसर का एक महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। इसे नजरअंदाज न करें।

लेकिन हर बार बार–बार बीमार होना कैंसर नहीं होता।

बच्चे को बनाना है तेज और समझदार पेरेंट्स आज से अपनाएं ये 5 आदतें

हर माता–पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे, आत्मविश्वासी हो, समझदार बने और जीवन में आने वाली हर चुनौती का सामना पूरे फोकस और समझदारी से करे। बच्चों का दिमाग जितना तेज और समझदार होता है, वे उतनी जल्दी चीजें समझ पाते हैं, सही फैसले ले पाते हैं और खुद को अच्छे से दूसरों के सामने रख पाते हैं। बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट को बेहतर बनाने के लिए 5 जरूरी आदतों के बारे में बताया है, जिन्हें हर पैरेंट को अपने बच्चे की परवरिश में शामिल करना चाहिए। आइए इन बातों पर एक–एक करके नजर डालते हैं।

घर का माहौल रखें पॉजिटिव और शांत

बच्चे जिस माहौल में पलते हैं, उनका दिमाग उसी के अनुसार बनता और बढ़ता है। अगर घर का माहौल शांति और प्यार से भरा होगा तो बच्चा भी मानसिक रूप से मजबूत और खुशहाल बनेगा। मम्मी–पापा और बच्चों के बीच एक गहरा जुड़ाव (बॉन्ड) होना बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि पूरा परिवार रोज थोड़ा समय एक–दूसरे के साथ बिताए। चाहे वो साथ में खाना खाना हो, कोई मस्ती भरा गेम खेलना हो, एक साथ गाना गाना या डांस करना हो, पिलो फाइट या पकड़म पकड़ाई जैसा कोई खेल हो। ये सभी छोटी–छोटी चीजें बच्चों के मानसिक विकास में बड़ा रोल निभाती हैं।

बच्चों को दें फ्री प्ले टाइम

दूसरी सबसे जरूरी चीज है बच्चों को खुलकर खेलने का समय देना। हर बच्चे को रोज शाम को कम से कम 1 घंटा बाहर खुले मैदान में खेलने का मौका जरूर मिलना चाहिए। बच्चा अगर दौड़ता है, कूदता है, चढ़ता है या फिजिकल एक्टिविटीज करता है तो इससे उसका नर्वस सिस्टम मजबूत होता है जो दिमाग के विकास में बहुत मदद करता है। इसके अलावा, यह खेलने का समय बच्चे की क्रिएटिव सोच, आत्मविश्वास और सोशल स्किल्स को भी बढ़ाता है।

बच्चों का न्यूट्रिशन रखें बैलेंस्ड

बच्चों के खाने–पीने का खास ध्यान रखा जाए। घर का बना ताजा खाना ही सबसे अच्छा होता है। बच्चों को प्रोसेस्ड, पैकेज्ड या बाहर का फास्ट फूड बिल्कुल न दें। फल, सब्जियां, दाल, रोटी, दूध, नट्स और देसी खाना बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी होता है। सही पोषण ना सिर्फ शरीर को ताकत देता है, बल्कि दिमाग को भी एक्टिव और फोकस्ड बनाए रखता है।

रूटीन ना करें गड़बड़

एक और बहुत जरूरी बात जो अक्सर पैरेंट्स नजरअंदाज कर देते हैं दृ बच्चे का स्लीप रूटीन। अगर बच्चा कभी 12 बजे, कभी 1 बजे और कभी 2 बजे सोता है, तो ये बदलाव उसके दिमाग के लिए झटके की तरह होते हैं। बच्चे का हर दिन एक तय समय पर सोना और एक तय समय पर उठना बहुत जरूरी है। सही रूटीन से बच्चे को नींद भरपूर मिलती है और उसका दिमाग फ्रेश और एक्टिव रहता है। रूटीन गड़बड़ होने से बच्चा चिड़चिड़ा, थका हुआ और कम ध्यान देने वाला बन सकता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि सोने और खाने का रूटीन बच्चे के लिए पहले दिन से ही तय करें और उसे लगातार फॉलो कराएं।

पैरेंट्स खुद इन बातों को लें सीरियसली

अगर आप ऊपर बताई गई 5 आदतों को नजरअंदाज करते हैं, तो उसका सीधा असर आपके बच्चे के व्यवहार पर पड़ सकता है। ऐसा बच्चा बार–बार चिड़चिड़ा हो सकता है, जरूरत से ज्यादा जिद या टैंट्रम दिखा सकता है, पढ़ाई या एक्टिविटीज में फोकस नहीं कर पाएगा।

प्रदेश के इन 30 जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी, विंध्य और बुंदेलखंड के इलाके अलर्ट पर

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में मानसूनी बारिश का दौर जारी है। दक्षिणी हिस्से में यह सिलसिला कई दिनों से रुक रुक कर चल रहा है। बुधवार को वाराणसी, सुल्तानपुर, प्रयागराज और विंध्य क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को विंध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र के 11 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को विंध्य , बुंदेलखंड और दक्षिणी यूपी में भारी बारिश के आसार हैं। इनके अलावा 19 अन्य जिलों में भी भारी बारिश होगी। 58 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है। प्रतापगढ़, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, रायबरेली, अमेठी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन। राजधानी में बुधवार को बादलों की आवाजाही के बीच अलग–अलग इलाकों में हल्की से मध्यम बूंदाबांदी हुई। पारे में हल्की गिरावट से उमस भरी गर्मी से राहत मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, मानसूनी सक्रियता बढ़ने से बृहस्पतिवार को लखनऊ में अच्छी बारिश के आसार हैं। बारिश से तापमान गिरेगा और गर्मी से राहत मिलेगी। बुधवार को अधिकतम तापमान लगभग 1 डिग्री की गिरावट के साथ 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रात का तापमान 0.5 डिग्री की मामूली गिरावट के साथ 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

पहली बार आईआईटी के प्रोफेसर लेंगे विधायकों की एआई क्लास

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश देश की पहली विधानसभा होगी, जहां विधायकों के लिए आईआईटी के प्रोफेसर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी (एआई) की क्लास लेंगे। इसका उद्देश्य विधानसभा में विधायकों के कामकाज को और अधिक प्रभावी बनाना है। यह प्रशिक्षण भारतीय

प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के प्रोफेसर देंगे। आगामी मानसून सत्र के मध्य या अंत में इस विशेष एआई सत्र का आयोजन प्रस्तावित है। ये प्रशिक्षण पूरी तरह स्वैच्छिक रहेगा और किसी भी सदस्य पर बाध्यकारी नहीं होगा। इस एआई क्लास का मकसद है कि विधानसभा के सदस्य एआई टूल को आसानी से समझें और अपनी जिम्मेदारियों में उनका उपयोग कर सकें। विधानसभा में अत्याधुनिक एआई कैमरे लगाए जाने के निर्णय के बाद ये दूसरा फैसला है जो न केवल विधायिका परिसर को हाईटेक करेगा बल्कि उसके सदस्यों को भी एआई से लैस करेगा। भविष्य में विधानसभा में विशेष एआई सहायता इकाइयों का गठन भी किया जाएगा। ये इकाइयां विधायकों को कानूनी अनुसंधान, दस्तावेजों की जांच और नीतिगत अध्ययनों में तकनीकी सहयोग देंगी। विधानसभा सचिवालय की योजना है कि विधायकों और उनके कर्मचारियों के लिए नियमित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए, ताकि वे एआई उपकरणों के उपयोग में दक्ष हो सकें। विधानसभा में एआई के संभावित उपयोग का प्रशिक्षण

1–दस्तावेजों की जांच और कानूनी लेखनरू एआई उपकरण बिल ड्राफ्ट करने, कानूनी समस्याओं की पहचान करने और अन्य राज्यों या देशों के कानूनों की तुलना करने में सक्षम हैं। विधायकों के लिए ये बेहद काम का टूल होगा।

2–समस्याओं का पता लगाना– एआई विधायकों की संपत्तियों या हितों से जुड़े संभावित टकरावों की जांच कर सकता है।

3–जनमत की समझ– सोशल मीडिया, सर्वेक्षण और याचिकाओं के माध्यम से एआई नागरिकों की राय बता सकता है।

4–कानून के प्रभाव का अनुमान– किसी भी प्रस्तावित कानून के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का पूर्वानुमान लगाया जा सकेगा।

5–रिकॉर्ड डिजिटलीकरण– एआई पुराने दस्तावेजों, बहसों और रिपोर्टों को क्रमबद्ध कर खोज योग्य बना सकता है।

छांगुर के शहजाद से भी मिले कनेक्शन, एक करोड़ दिया गया था

लखनऊ, (संवाददाता)। अवैध धर्मांतरण के आरोप में एटीएस की ओर से गिरफ्तार किए गए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले में प्रवर्तन निदेशालय 14 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है, जिनमें से 12 उत्तर प्रदेश के बलरामपुर के उतरौला में और दो मुंबई में हैं। तलाशी आज सुबह 5 बजे शुरू हुई। ईडी ने उसके कांप्लेक्स की पड़ताल के साथ ही मधुपुर स्थित उसके आवास को भी खंगालना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही ईडी छांगुर के करीबियों के घरों पर पहुंच कर छानबीन कर रही है। छांगुर को मधपुर में जमीन बेचने वाले पूर्व प्रधान जुम्मन के घर भी ईडी ने दस्तक दे दी। वहीं, सुबह से शहर के अन्य ठिकानों पर ईडी जांच कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम उतरौला के 12 ठिकानों के साथ ही मुंबई में भी छानबीन कर रही है। मुंबई के शहजाद शेख के घर ईडी पहुंच गई है। इसके अलावा एक और ठिकाने की पड़ताल कर रही है। पुणे में भी जांच की तैयारी है। सूत्रों की मानें तो शहजाद के खाते में एक करोड़ जमा हुए थे। ईडी छांगुर की ओर से रुपए के बंटवारे का तार जोड़ने में जुटी है। इससे पहले, उतरौला में बुधवार की देर रात एसटीएफ की टीम पहुंची थी। रात करीब 11 बजे उतरौला बस अड्डा रोड पर टीम पहुंची। वहां एक बैंक के सामने खड़ी बाइक पर बैठे एक युवक से एसटीएफ ने पूछताछ की। इसके बाद उसे बैठा लिया। बाद में पता चला एसटीएफ की टीम ने छांगुर के भतीजे सोहराब को हिरासत में लिया है। इस पर आजमगढ़ में धर्मांतरण कराने का आरोप है। हालांकि, पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया है। जानकारी के अनुसार, अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर के ठिकानों की पड़ताल बृहस्पतिवार की सुबह से ही शुरू हो गई। एटीएस के साथ ही ईडी की टीम ने भी छानबीन तेज कर दी है। उतरौला पहुंची टीम ने छांगुर से जुड़े करीब 12 ठिकानों की पड़ताल की। उतरौला में बने छांगुर के प्रतिष्ठान का ताला खुलवा कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छांगुर के दूसरे जिलों और प्रदेशों में ठिकानों की छानबीन भी हो रही है। ईडी छांगुर मामले में मनी लांड्रिंग के साथ ही विदेशी फंड की जांच कर रही है। उतरौला में सुबह से ही टीम पड़ताल में जुटी है। जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के संपत्तियों की पड़ताल ईडी ने तेज कर दी है। उसके कांप्लेक्स की पड़ताल के साथ ही मधुपुर स्थित उसके आवास को भी ईडी ने खंगालना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही ईडी छांगुर के करीबियों के घरों पर पहुंच कर छानबीन कर रही है। छांगुर मधपुर में जमीन बेचने वाले पूर्व प्रधान जुम्मन के घर ईडी ने दस्तक दी। वहीं, सुबह से शहर के अन्य ठिकानों पर ईडी जांच कर रही है। इससे पहले, अवैध धर्मांतरण के मामले में बयान न बदलने पर जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गुर्गों ने एटीएस के गवाह हरजीत कश्यप पर हमला कर दिया। उन्हें बुरी तरह से पीटा और हत्या की धमकी दी। पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रसूलाबाद निवासी हरजीत एटीएस के गवाह हैं। उन्होंने छांगुर पर जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया है। इसी बात को लेकर हरजीत से छांगुर के गुर्गों रियाज, कमालुद्दीन व नव्वाब ने मारपीट की। हरजीत के अनुसार उन्हें धमकाया गया ।

लंबी छलांग लगा लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में तीसरे पायदान पर

लखनऊ, (संवाददाता)। कचरा प्रबंधन में बेहतर सुधार कर लखनऊ ने लंबी छलांग लगाते हुए स्वच्छता रैंकिंग प्रतियोगिता 2024 में देश भर में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। बृहस्पतिवार को दिल्ली में इसकी घोषणा हुई। राष्ट्रपति ने सफाई में बेहतर कार्य करने के लिए महापौर सुषमा खर्कवाल को प्रेसीडेंशियल अवार्ड भी प्रदान किया। देश का कौन सा शहर सफाई में किस पायदान है उसको लेकर केंद्र सरकार की ओर से हर साल स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। जिसमें बीते साल अपने शहर की रैंकिंग गिरी थी और 17 वें पायदान से फिसलकर 44वें पायदान पर पहुंच गई थी मगर काम तेजी से सुधार कर नगर निगम ने इस बार देश भर में तीसरा स्थान पाया है। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त डा. अरविंद राव ने बताया कि पहले स्थान पर अहमदाबाद और दूसरे पर भोपाल है। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त डा. अरविंद राव ने बताया बीते साल सबसे कम नंबर शिवरी प्लांट बंद होने की वजह से आए थे। अब प्लांट चालू है और वहां पर जो कूड़घ जमा था उसका भी निस्तारण तेजी से हो रहा है। जिस तरह से कूड़े के पहाड़ को कम किया गया है उसको लेकर सभी ने तारीफ की है। केंद्रीय स्वच्छ भारत मिशन के अधिकारियों के दल ने भी निरीक्षण किया था।

संक्षिप्त खबरें

एआई, डाटा साइंस, ग्रीन एनर्जी व ऑटोमेशन में भी दक्ष बनेंगे युवा

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान सभागार में दो दिवसीय विश्व युवा कौशल दिवस का बुधवार को समापन हुआ। कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि युवाओं को पारंपरिक ज्ञान के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और ऑटोमेशन में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि मिशन की ओर से सभी जिलों में औद्योगिक इकाइयों को प्रशिक्षण भागीदार बनाया जा रहा है। इसका मकसद है कि युवाओं को उनके जिले में ही प्रशिक्षण व रोजगार मिल सके। युवा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक सकें, इसके लिए उन्हें सॉफ्ट स्किल्स और पर्सनैलिटी ग्रूमिंग का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विश्व युवा कौशल दिवस पर प्रदर्शनी भी लगाई गई। फूड स्टॉल श्रेणी में सुभावती सोशल वेलफेयर सोसाइटी के लिट्टी–चोखा स्टॉल को प्रथम पुरस्कार मिला। नीड्स स्किल के फरहे व सत्तू के शेक को द्वितीय पुरस्कार व फ्रंटलाइन कंपनी को तृतीय पुरस्कार मिला। प्रदर्शनी में जूट के बैग व दरवाजे की चटाई की सबसे ज्यादा बिक्री के लिए यूनिवर्सल आइडल सेवा समिति को प्रथम पुरस्कार मिला। फर्स्ट लाइन ग्लोबल सर्विसेज को महिलाओं के परिधानों की बिक्री के लिए द्वितीय व साइबर एकेडमी को चिकनकारी साड़ियों की बिक्री के लिए तृतीय पुरस्कार दिया गया। नवाचार श्रेणी में स्टेट स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर को पहला पुरस्कार दिया गया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ को क्लैप स्विच सिस्टम, स्मार्ट डस्टबिन, ऑटोमेशन सिम्युलेटर, दीपदान, फ्लावर पॉट व नवाचारों के लिए दूसरा पुरस्कार मिला। खादी ग्रामोद्योग बोर्ड को उत्पाद सहभागिता एवं प्रस्तुति गुणवत्ता के आधार पर तृतीय पुरस्कार दिया गया।

दिन से क्या घबराना, दिन तो आते जाते हैं

लखनऊ, (संवाददाता)। विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय आयोजन के आखिरी दिन बुधवार को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। वरिष्ठ हास्य–व्यंग्य के कवि मुकुल महान ने सुनाया– माना हमारा देश ओलंपिक में फेल है, पर उल्लू सीधा करना हमारे बाएं हाथ का खेल है। आईएएस डॉ. हरिओम ने अपनी मशहूर रचना सिकंदर हूं मगर हारा नहीं हूं... सुनाकर वाहवाही लूटी। गीतकार प्रियांशु गजेंद्र ने जीवन में हिम्मत न हारने का संदेश देते हुए रचना पढ़ी– फूलों के दिन शूलों के दिन, गुड़हल और बबूलों के दिन, दिन से क्या घबराना दिन तो आते जाते हैं। उन्होंने अपनी अन्य कविता यदि बंटोगे पिया तो कटोगे पिया... से भी हंसाया। कवयित्री सोनरूपा विशाल ने गीत सुनाया– मेरी कल्पित अभिलाषा को तुम स्वर्णिम विन्यास तो देना, बेशक मेरे साथ न चलना पर अपना अहसास तो देना। डॉ. बलवंत सिंह ने भी शायरी से युवाओं की दाद पाई। उन्होंने पढ़ा– किसी फैसले पर पहुंचते नहीं हैं, बहुत सोचकर फैसला करने वाले। अखिलेश मिश्रा ने सुनाया– अब तुम लौट के मत आ जाना, मुझको मत आवाज लगाना। शहबाज तालिब ने पढ़ा– दूर होके भी मुझसे जिंदा हो, तुमको शर्मिंदगी नहीं होती।

संक्षिप्त खबरें

चालीहा साहिब महोत्सव का छाया उल्लास

लखनऊ, (संवाददाता)। शहर के सिंधी बाहुल्यों क्षेत्रों व गुरुद्वारों में भगवान झूलेलाल के चालीहा साहिब महोत्सव की बुधवार को धूमधाम से शुरुआत हुई। इस दौरान सिंधी पंचायतों ने जगह–जगह आयोजन किए, जो 25 अगस्त तक चलेंगे। सिंधी परिवारों में विधि–विधान से भगवान झूलेलाल का पूजन किया गया। आलमबाग, कृष्णानगर, इंदिरानगर और राजाजीपुरम में 40 दिनों तक चलने वाले महोत्सव को लेकर उत्साह देखने को मिला। महिलाओं और बच्चों ने जय झूलेलाल के जयकारे लगाए। सिंधी समाज के प्रमुख शिव शांति आश्रम में भगवान झूलेलाल के पूजन के बाद आरती की गई। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया। कृष्णानगर के सिंधु नगर में सिंधी पंचायत के अध्यक्ष अशोक चांदवानी, महेश तलरेजा, लालचंद मंजर, प्रदीप राजपाल, डॉ. अनिल चंदानी, नीरज राजपाल, दिनेश रायचंदानी समेत समाज के लोगों ने आरती कर प्रसाद ग्रहण किया। तकरोही स्थित झूलेलाल मंदिर के प्रमुख हंसराज राजपाल, सतीश लखमानी, राजू जसवानी समेत बड़ी संख्या में महिलाओं ने आरती और प्रसाद वितरण में भाग लिया। झूलेलाल मंदिर में आरती के बाद भंडारा हुआ। राजाजीपुरम स्थित झूलेलाल मंदिर में प्रमुख संजय जेसवानी और मन्नू तेजवानी की अगुवाई में आयोजन किया गया। यहां भी विधि–विधान से पूजन के बाद आरती हुई और भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सभी ने जय झूलेलाल के जयकारे लगाए। कृष्णानगर स्थित शुभम सिटी में झूलेलाल मंदिर के अध्यक्ष कन्हैयालाल चांदवानी, संतोष हिरवानी, पुखराज, रितेश मेघानी, नवीन केवल रामानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल जी की आरती के बाद प्रसाद बांटा गया। मवैया स्थित सिंधु भवन में भी भगवान झूलेलाल का चालीहा साहिब महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। संत कंवर राम दरबार रामनगर, एसएसडी धाम, गोधरिधाम दरबार नटखेड़ा रोड समेत अन्य जगहों पर भी आयोजन हुए। चेट्टी चंद मेला कमेटी के प्रवक्ता अशोक मोतियानी, अध्यक्ष रतन मेघानी, महामंत्री संजय जेसवानी, कोषाध्यक्ष सतेंद्र भवनानी और उपाध्यक्ष श्याम कृषनानी ने बताया कि चालीहा साहिब महोत्सव की लखनऊ समेत आसपास के क्षेत्रों में भव्य शुरुआत की गई। परिवारों ने देश, समाज और परिवार की खुशहाली की दुआ मांगी। सिंधु नगर सिंधी पंचायत के सदस्य प्रदीप राजपाल तरुण संगवानी, डॉ. अनिल चंदानी अन्य पदाधिकारियों ने समाज की युवा पीढ़ी से अपील की कि आपस में बातचीत के लिए सिंधी भाषा का ही इस्तेमाल करें। जब भी एक–दूसरे से मिलें तो जय झूलेलाल बोलकर ही संबोधन करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किया हरेला का प्रतीक पौधा

लखनऊ, (संवाददाता)। पर्वतीय महापरिषद के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष गणेश चंद्र जोशी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आवास पर मुलाकात कर हरेला का प्रतीक पौधा भेंट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रकृति से जुड़ाव और संस्कृति की चेतना का प्रतीक है। उत्तराखंड की यह परंपरा पूरे देश को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का प्रेरक माध्यम है। मौके पर टीएस मनराल, केएन चंदोला, महेंद्र सिंह रावत, सुमन रावत, मंजू शर्मा पडेलिया, दीपा आदि थे।

पूर्व आईपीएस अधिकारी को चुनाव लड़वाने की तैयारी में था

लखनऊ, (संवाददाता)। हिंदू परिवारों का धर्मांतरण कराकर जनसांख्यिकीय बदलाव में जुटे छांगुर पीर की राजनीतिक महत्वाकांक्षा भी प्रबल थी। वह खुद को राजनीति में स्थापित कर सत्ता तक पहुंच बनाने के प्रयास में था। इसके लिए उतरौला निवासी एक पूर्व पुलिस अधिकारी को विधानसभा चुनाव में उतारने की तैयारी में था। वहीं, नीतू उर्फ नसरीन के कमरे से बरामद लाल डायरी में ऐसे कई राजनेताओं के नाम मिले हैं, जिन्हें छांगुर ने विधानसभा चुनाव के दौरान लिए मोटी रकम दी थी। पैरवी के लिए समय–समय पर लखनऊ भी जाता रहा। प्रचार के लिए पानी की तरह पैसे भी बहा रहा था। गिरफ्तारी से पहले भी जगह–जगह जलसों में वह पुलिस अधिकारी को मुख्य अतिथि के तौर पर प्रस्तुत कर रहा था। पूर्व सांसद दद्दन मिश्रा बताते हैं कि छांगुर अब चुनाव को भी प्रभावित करने लगा था। उसकी अपील का असर मतदान पर पड़ता था। छांगुर के करीबी रहे बब्बू खान ने बताया कि एक पूर्व आईपीएस अधिकारी से छांगुर के करीबी रिश्ते रहे हैं। अवैध धर्मांतरण के खेल में उसे पुलिस अधिकारी से भी पूरा संरक्षण मिलता रहा है। अपनी पहुंच से वह छांगुर को समय–समय पर कार्रवाई से बचा रहा था। उसी की पहल पर छांगुर अपनी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन के साथ दो महीने तक पुलिस और एटीएस को चकमा देकर लखनऊ में डटा रहा। लखनऊ में छांगुर के लिए वही अधिकारी वकीलों की टीम भी उपलब्ध करा रहा था। नेपाल से सटे संवेदनशील बलरामपुर जिले की राजनीति को देखें तो बीते दस वर्षों से सभी विधानसभा क्षेत्रों में छांगुर की पैठ बढ़ी थी। बात चाहे लोकसभा चुनाव की हो या फिर विधानसभा की, छांगुर पीर सभी में सक्रिय रहता था। प्रत्याशियों को फंडिंग करता था। अपने अनुयायियों से उनके पक्ष में मतदान की अपील भी करता था। तहसील क्षेत्र में तो त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को सीधे प्रभावित कर रहा था।

लाल डायरी में कई राजनेताओं के भी नाम मिले

सूत्रों के अनुसार एटीएस की जांच में नीतू उर्फ नसरीन के कमरे से बरामद लाल डायरी में ऐसे राजनेताओं के भी नाम मिले हैं, जिन्हें 2022 के विधानसभा चुनाव में छांगुर ने मोटी रकम दी गई है। चर्चा है कि उतरौला से एक पूर्व प्रत्याशी को छांगुर ने 90 लाख रुपये दिए थे, लेकिन वह चुनाव नहीं जीत सके। ऐसे में इस बार एक राष्ट्रीय दल से जुड़े पूर्व आईपीएस अधिकारी को 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरौला से चुनाव मैदान में उतारने के लिए जमीन तैयार कर रहा था। एटीएस के गवाह पर छांगुर के गुर्गों ने किया हमला, बयान न बदलने पर दी हत्या की धमकी

अवैध धर्मांतरण के मामले में बयान न बदलने पर जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के गुर्गों ने एटीएस के गवाह हरजीत कश्यप पर हमला कर दिया। उन्हें बुरी तरह से पीटा और हत्या की धमकी दी। पुलिस ने तीन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रसूलाबाद निवासी हरजीत एटीएस के गवाह हैं। उन्होंने छांगुर पर जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया है। इसी बात को लेकर हरजीत से छांगुर के गुर्गों रियाज, कमालुद्दीन व नव्वाब ने मारपीट की। हरजीत के अनुसार उन्हें धमकाया गया कि रसूलाबाद गांव पाकिस्तान है। यहां रहकर मुसलमानों से बगावत करते हो। इसका अंजाम तुम सबको भुगतना पड़ेगा। योगी सरकार कब तक रहेगी, जब यह सरकार जाएगी तो तुम्हें सबक सिखाया जाएगा। हरजीत ने बुधवार को बताया कि तीन जुलाई को लखनऊ में छांगुर पीर के खिलाफ सताए व जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने के मामले में बयान दिया था। पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। हरजीत ने बताया कि वह सात जुलाई को दवा लेने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैड़ास बुजुर्ग जा रहे थे। उतरौला चौराहा डुमरियागंज रोड पर पहले से खड़े रियाज, कमालुद्दीन व नव्वाब ने रोक लिया और मारने लगे। जान–माल की धमकी दी। कहा कि 24 घंटे के अंदर लखनऊ जाकर बयान बदलो। पिटाई करते हुए कह रहे थे कि छांगुर के खिलाफ आवाज उठाने वालों को मिट्टी में मिला दिया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक उतरौला कोतवाली अवधेश राज सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

छांगुर के करीबी की तलाश में गोंडा पहुंची एटीएस

छांगुर के करीबी की तलाश में मंगलवार रात एटीएस की टीम धानेपुर के रेतवागाड़ा पहुंची। जांच में रमजान का नाम सामने आया था। वह कव्वाली सहित अन्य कार्यक्रमों में ढोलक बजाता था। कार्यक्रम के सिलसिले में ही उसकी मुलाकात छांगुर से हुई थी। बताया जाता है कि छांगुर ने रमजान को धर्म परिवर्तन के लिए लोगों को तैयार करने की जिम्मेदारी दी थी। ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2024 में उसकी मौत हो गई। एटीएस ने रमजान के नाम वाले एक अन्य व्यक्ति के बारे में भी जानकारी की। नेपाल सीमा से सटे संवेदनशील उतरौला क्षेत्र में अवैध धर्मांतरण और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का जाल मजबूती से बुना गया है।

शाहरूख का दोस्त था उदित, चाचा बोलती थी बिटिया इस तरह रोशनी ने बनाया पूरा प्लान

लखनऊ, (संवाददाता)। बेटी की हत्या के गम में डूबे शाहरूख उस समय और टूट गए जब उन्हें पता चला कि रोशनी के साथ कोई और नहीं बल्कि उन्हीं का दोस्त लिवइन में रहता था। शाहरूख ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी हुई थी

कि कोई लड़का फ्लैट पर आकर रहता है। बुधवार को अखबारों में उदित का नाम पढ़ा तब भी भरोसा नहीं हुआ, लेकिन थाने में उसे सामने देखकर दंग रह गया। शाहरूख के मुताबिक उदित उनका बहुत पुराना दोस्त था। शाहरूख, रोशनी, उदित और उसकी पत्नी अक्सर मिला करते थे। दो साल पहले उदित की पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद से ही रोशनी का व्यवहार भी बदल गया था। शाहरूख ने बताया कि सोना उदित को चाचा बुलाती थी, लेकिन उसको नहीं पता था कि जिसे वह प्यार करती है वही उसकी जान ले लेगा। कैसरबाग थाने में शाहरूख से उदित का सामना हुआ तो वह नजर नहीं मिला पा रहा था। उसने धीमी आवाज में शाहरूख से सॉरी बोला और आगे बढ़ गया। शाहरूख का आरोप है कि रोशनी हर हाल में फ्लैट अपने नाम करवाना चाहती थी। इसका जिन लोगों ने भी विरोध किया उसे उसने जेल भिजवा दिया। रोशनी का कुछ प्रभावशाली लोगों के यहां भी आना जाना था। यही वजह है कि वह अपनी पैरवी भी करवा लेती थी। सूत्रों का कहना है कि बेटी की हत्या के बाद भी कई लोगों ने उसकी पैरवी की थी। हालांकि, पुलिस ने सच्चाई बताकर पैरवी करने वालों का मुंह बंद कर दिया था। रोशनी ने शाहरूख पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया तो पुलिस ने उसको हिरासत में ले लिया। रोशनी का आरोप था कि शाहरूख हत्या के बाद चौथी मंजिल से फांदकर भाग निकला था। पुलिस ने जब शाहरूख से पूछताछ की तो उसने बताया कि 22 मई को उसके पैर में चोट लग गई थी।

भारत-नेपाल सीमा पर जाली परमिट से चल रही बसों की होगी जांच

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत–नेपाल सीमा पर जाली परमिट से निजी बसों के संचालन का मामला सामने आने के बाद परिवहन विभाग चौकन्ना हो गया है। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने एफआईआर दर्ज करने और उच्च स्तरीय जांच कराने का निर्णय लिया है। उधर अलीगढ़, बागपत और महराजगंज में स्पष्ट रूप से जाली परमिट की पुष्टि हुई है। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराने के लिए कार्रवाई की जा चुकी है। मामले में विधिक जांच के लिए अनुरोध किया गया है। गोरखपुर, इटावा व औरैया जैसे जिलों में भी ऐसे परमिट प्रस्तुत किए गए हैं, जो प्रथम दृष्टया भारत–नेपाल यात्री परिवहन समझौता 2014 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं। गोरखपुर प्रकरण में विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। परिवहन आयुक्त ने पुलिस महानिदेशक को पत्र भेजकर तीन जिलों में दर्ज प्रकरणों की एसटीएफ से कराने का अनुरोध किया है। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने स्पष्ट किया है कि जाली

दस्तावेजों के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा नियंत्रण के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही फेसलेस परमिट प्रणाली की कार्यप्रणाली में भी तकनीकी सुधार की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को पत्र लिखा गया है। मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 88 (8) व भारत–नेपाल समझौते के अनुच्छेद तीन (5) व तीन (11) के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मार्ग पर संचालन के लिए सिर्फ गंतव्य देश की दूतावास, कांसुलेट द्वारा फॉर्म सी में जारी परमिट ही वैध होता है। ऐसे में राज्य स्तर पर एस आर–30 अथवा एसआर–31 फॉर्म में जारी परमिट भारत–नेपाल मार्ग के लिए वैधानिक नहीं हैं।

पीली नदी के तट पर रिक्त स्थानों पर वृहद पौधा रोपड़ कराये जाए - डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा पीली नदी के तट पर वृहद वृक्षारोपड़ अभियान के तहत लगाये गये पौधे का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने डीएफओ प्रोमिला को निर्देश दिया कि जो पौधे सूख गये है, उनके स्थान पर नये पौधे लगाये जाए और पीली नदी के तट पर रिक्त स्थानों पर वृहद पौधरोपड़ कराये जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बढ़ते हुए ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और बरसात में होने वाले लगातार कमी के दृष्टिगत अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाना अत्यंत आवश्यक कार्य हो गया है। उन्होंने सभी जनपदवासियों से अपील की है कि शासन के निर्देश के क्रम में कम से कम एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी के द्वारा "एक जनपद, एक नदी" अभियान के तहत जनपद की तहसील बदलापुर अंतर्गत स्थित पीली नदी के पुनरोद्धार कार्य को भी देखा गया। जिलाधिकारी ने अवगत कराया गया है कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने पत्र के माध्यम से जनपद वासियों को पीली नदी पुनरुद्धार अभियान की सफलता हेतु शुभकामनाएं बधाई देते हुए कहा है कि जनपद जौनपुर के बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में पीली नदी के पुनरुद्धार का कार्य किया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में नदियों को जीवन दायिनी और पवित्र माना गया है। हमारी सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध करने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। नदिया हमारी आस्था की भी पोषक है, वर्तमान समय में नदियों में प्रदूषण बढ़ा है और उनकी निर्मलता व अविरलता भी प्रभावित हुई है । इसका प्रतिकूल प्रभाव मानव जीवन पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है । जल को जीवन का प्रतिरूप माना जाता है। प्राणिमात्र के कल्याण के लिए जल का संरक्षण आवश्यक है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार विलुप्त होती नदियों के पुनर्जीवन से लेकर प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है, व्यापक जनसहभागिता और सहयोग से इस संकल्प को गति मिलती है। इसके दृष्टिगत जनपद जौनपुर में पीली नदी के पुनरुद्धार हेतु किया जा रहे प्रयास सराहनी है। उन्होंने कहा है कि मुझे विश्वास है कि अभियान अपने उत्कृष्ट लक्ष्य को प्राप्त करेगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी योगिता सिंह, खण्ड विकास अधिकारी धमेन्द्र द्विवेदी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मनहन जाने वाली सड़क से गड्ढे में तब्दील

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिरकोनी विकास खण्ड के मनहन जाने वाली सड़क लगभग ध्वस्त हो चुकी है। लोगों का आना जाना दूभर हो गया है।कई गांव के लोग परेशान हैं। ज्ञात हो कई वर्ष पहले इस सड़क के मरम्मत का काम कराया गया था धीरे धीरे सड़क बदहाल होने लगी। गांव के लोगों ने कई बार अधिकारियों से शिकायत करके सड़क को रिपेयर करवाने की मांग किया। लेकिन अधिकारियों ने ध्यान नही दिया।बरसात शुरू होते ही सड़क पूरी तरह से खंदक बन गई।इस समय सड़क पर बने गड्ढों की हालत यह है कि सड़क का डामर गिट्टी कही कही दिख रही है बाकी पूरी सड़क पानी से बह चुकी है।सड़क के गड्ढों में दर्जनों बाइक व साइकिल सवार गिर कर चुटहिल हो चुके हैं।अब स्थिति यह है कि गांव के बुजुर्ग व बच्चे साइकिल लेकर उक्त सड़क पर नही जा रहे हैं।ग्राम प्रधान मनहन अमर बहादुर यादव ने बताया वर्ष 2016 में इस सड़क की मरम्मत का काम हुआ था।उसके बाद कभी भी काम नही हुआ।शुक्रवार को गांव के लोगों ने सड़क के किनारे नाली बनाकर सड़क का पानी निकाला।गांव के लोग जल्द ही पीडब्ल्यूडी के विरुद्ध प्रदर्शन करेंगे।

बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पांडुलिपि तैयार करने का कार्य किया जाएगा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने अवगत कराया है कि त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कराये जाने हेतु निर्गत समय सारणी के अनुसार 18 जुलाई 2025 से 18 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिंट करने की कार्यवाही बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना, प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि के वितरण का कार्य किया जाएगा। 19 अगस्त 2025 से 29 सितंबर 2025 तक बीएलओ द्वारा घर–घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पांडुलिपि तैयार करने का कार्य किया जाएगा। 19 अगस्त 2025 से 22 सितंबर 2025 तक ऑनलाइन आवेदन किया जाएगा, 23 सितंबर 2025 से 29 सितंबर 2025 तक ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों पत्रों की घर–घर जाकर जांच की जाएगी, 30 सितंबर 2025 से 06 अक्टूबर 2025 तक निर्वाचन गणना पत्र के आधार पर परिवर्धन संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पांडुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय में जमा की जाएगी, 07 अक्टूबर 2025 से 24 नवंबर 2025 तक ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पांडुलिपि तैयार की जाएगी, 25 नवंबर 2025 से 04 दिसंबर 2025 तक निर्वाचन नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरांत मतदान केंद्रध्स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता के डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां आदि तैयार करायी जाएगा। 05 दिसंबर 2025 को अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन होगा, 06 दिसंबर 2025 से 12 दिसंबर 2025 तक आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण किया जाएगा, 06 दिसंबर 2025 से 12 दिसंबर 2025 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। 13 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर 2025 तक दावे और आपत्तियों का निस्तारण होगा। 20 दिसंबर 2025 से 23 दिसंबर 2025 तक दावे आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत हस्तलिखित पांडुलिपिया तैयार की जाएंगे तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय में जमा की जाएगी। 24 दिसंबर 2025 से 08 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत पूरक सूचियों के कंप्यूटरीकरण की तैयारी और उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही होगी, 09 जनवरी 2026 से 14 जनवरी 2026 तक पूरक सूचियों की कंप्यूटरीकरण के उपरांत मतदान केंद्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों के मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटो प्रति आदि तैयार कराई जाएंगी। 15 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

कंपोजिट विद्यालय बदलापुर खुर्द, बदलापुर, जौनपुर में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कंपोजिट विद्यालय बदलापुर खुर्द, बदलापुर, जौनपुर में स्कूल चलो अभियान, बृहद नामांकन अभियान, वृक्षारोपण तथा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार पांडेय के संयोजकत्व में मुख्य अतिथि के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर डॉ0 गोरखनाथ पटेल तथा समस्त खंड शिक्षा अधिकारी व विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान चौधरी रजक, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ललित कुमार मौर्य की अध्यक्षता में ग्राम बदलापुर खुर्द के मुस्लिम बस्ती हरिजन बस्ती में जाकर घर–घर नामांकन किया गया, जिसमें प्रज्ञा पुत्री अनिल कुमार, इकरा बानो पुत्री मोहम्मद अफजल, सादिया पुत्री मोहम्मद अफजल, लक्ष्मी गुप्ता पुत्री संजीत गुप्ता, अनुष्का पुत्री दिलीप गुप्ता, खुशी अग्रहरी पुत्री महेश कुमार, हमर पुत्र हर्मी, सुजान पुत्र मुस्तकीम, इकरा पुत्री मुस्तकीन, हार्दिक गुप्ता पुत्र विष्णु प्रसाद, दिव्यांश पुत्र सुनील जायसवाल, रिया पुत्री सुनील जायसवाल, विराट पुत्र अशोक, प्रिया पुत्री अशोक, तनवीर पुत्र सदरे आलम आदि बच्चों का उनके घर पर जाकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा नामांकन किया गया। तथा कॉपी, कलम, मिठाई प्रदान किया गया। तत्पश्चात रैली विद्यालय पर आकर समाप्त हुई।

विद्यालय में बेसिक शिक्षा अधिकारी के साथ समस्त खंड शिक्षा अधिकारी ने झाड़ू लगाकर स्वच्छता का तथा वृक्षारोपण करके हरियाली का संदेश दिया, जिसमें आयोजक प्रभारी प्रधानाध्यापक राधे श्याम चौरसिया के साथ सभी अध्यापक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, आंगनवाड़ी कार्यकत्री सहयोग में लगे रहे। अंत में अध्यक्ष ललित कुमार मौर्य तथा ग्राम प्रधान चौधरी रजक ने उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदेशीय अध्यक्ष पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश सत्य देव सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

गोरखपुर में नशीली दवाइयों के धंधेबाजों पर शिकंजा

गोरखपुर, (संवाददाता)। नकली और नशीली दवाओं के धंधेबाजों पर मुख्यमंत्री की भृकुटी टेढ़ी हुई तो भालोटिया मार्केट में दो दिन से हंगामा मचा हुआ है। मंगलवार को औषधि प्रशासन विभाग के अनुसेवक मोहन तिवारी का निलंबन हुआ तो वहीं बुधवार को औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) राहुल कुमार भी निलंबित कर दिया गया। ड्रग इंस्पेक्टर पर औषधि अनुसेवक के इशारे पर कार्य करने और संदिग्ध व नशीली दवाओं की जांच नहीं करने के साथ ही नए ड्रग लाइसेंस के आवेदनों की जांच में लापरवाही समेत कई गंभीर आरोप हैं। पूरे मामले की जांच सहायक आयुक्त औषधि पूरन चंद को सौंपी गई है। पूर्वांचल में दवाओं की सबसे बड़ी मंडी भालोटिया में मरीजों की सहूलियत के लिए मंगाई गई मनोचिकित्सा और दर्द निवारक दवाइयों को धंधेबाज नशेड़ियों के लिए पंजाब और दिल्ली में बेच रहे हैं। इस तरह का मामला पकड़े जाने के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने यहां छापा मारा तो कई बड़े चौंकाने वाले खुलासे हुए। यहां तक कि एक दुकान ऐसी मिली, जिसका पंजीकरण तो है लेकिन वहां दूसरी दुकान चल रही थी। मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचा तो उन्होंने इस मामले में जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम की सख्ती के बाद मंगलवार को औषधि प्रशासन विभाग के औषधि अनुसेवक मोहन तिवारी को निलंबित करते हुए वाराणसी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया। इसके बाद बुधवार को ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार को निलंबित करते हुए आयुक्त

कार्यालय लखनऊ से संबद्ध किया गया है। ड्रग इंस्पेक्टर पर लगे आरोपों की जांच सहायक आयुक्त औषधि पूरन चंद को सौंपी गई है। औषधि निरीक्षक राहुल कुमार पर आरोप है कि वह अपने अधीनस्थ औषधि अनुसेवक मोहन तिवारी के इशारे पर काम करते थे। नए ड्रग लाइसेंस के लिए आए आवेदनों पर रिपोर्ट लगाने में मनमानी करते थे। वहीं संदिग्ध और नशीली दवाओं का सैंपल भी नहीं लेते थे। उनके हर महीने का टारगेट तक पूरा नहीं हो रहा था। ड्रग इंस्पेक्टर पर कोर्ट में चल रहे मामलों में भी पैरवी नहीं करने का आरोप है। बता दें कि निलंबित औषधि अनुसेवक पर व्यापारियों को धमकाकर पैसा वसूलने समेत कई अन्य गंभीर आरोप हैं। करीब डेढ़ साल से गोरखपुर में तैनात ड्रग इंस्पेक्टर राहुल कुमार ने शहर के झुंगिया, भटहट, एम्स, सरदारनगर, बड़हलगंज समेत कई जगहों से नशीली दवाएं पकड़ीं थीं। कहीं भी खरीद–बिक्री की रसीद नहीं मिली। इन दवाओं को कहां से खरीदा गया, बिना लिखा–पढ़ी के ये दवाएं कैसे बिकीं, गोरखपुर की दवा पटना और दिल्ली में क्यों बिकी ऐसे तमाम मुद्दे रोज ही चर्चा में आते थे, लेकिन नकली व नशीली दवाओं के धंधेबाजों की जांच नहीं होती थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम जांच करने भालोटिया आई तो पहले ही दिन मार्केट के खेल को पकड़ लिया। नशीली दवाओं की बिक्री और अवैध वसूली से दवा विक्रेता परेशान थे।

सर्टिफिकेट जारी होने में देरी का मामला उठा. .कमिश्नर ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

गोरखपुर, (संवाददाता)। मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक में उद्यमियों ने फैक्टरियों को उत्पादनरत का सर्टिफिकेट जारी करने में देर होने और औद्योगिक इकाइयों को भी बिजली आपूर्ति में दिक्कत का मुद्दा उठाया। इस पर कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण होगा। इसमें लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी–कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। निवेश मित्र पोर्टल पर आई शिकायतों का शत प्रतिशत निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें। कमिश्नर अनिल ढींगरा बुधवार को आयुक्त सभागार में आयोजित मंडलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। कमिश्नर ने कहा कि हम सभी का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों तथा विभिन्न विभागों के मध्य सीधा संवाद एवं समन्वय स्थापित करना है। उद्यमियों की समस्याओं का निराकरण तथा मंडल में अधिकाधिक औद्योगिक निवेश आए, इसके लिए बेहतर कारोबारी माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ही शिकायत का बार–बार निस्तारण के लिए आने का मतलब है कि निस्तारण में गंभीरता नहीं बरती जा रही है।

बैठक में चौंबर आफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आरएन सिंह ने औद्योगिक क्षेत्र विकास नगर में विद्युत तारों को अंडरग्राउंड करने में देरी का मामला उठाया। इस पर कमिश्नर ने विद्युत निगम को तत्काल कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा औद्योगिक भूखंडों को उत्पादनरत का सर्टिफिकेट जारी होने में होने वाले विलंब के मुद्दे पर मंडलायुक्त ने तय समय सीमा के अंदर सर्टिफिकेट जारी करने के निर्देश दिए। इसके बाद कुशीनगर की औद्योगिक इकाई मेसर्स खट्टर एडिवल्स प्रा. लि. में विद्युत आपूर्ति का मुद्दा भी उठा। इस फैक्टरी का मामला सीएम के सामने भी उठ चुका है। कमिश्नर ने जल्द ही इसके समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना में कुल 7800 लक्ष्य के सापेक्ष 6888 आवेदन बैंकों को भेजे गए, जिनमें से 2167 स्वीकृत हुए। इसमें से 1836 आवेदकों को 774.07 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में कुल 739 लक्ष्य के सापेक्ष 347 बैंकों को प्रेषित, 126 स्वीकृत तथा 119 आवेदनों पर 358.10 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया। ओडीओपी वित्त पोषण सहायता योजना में 122 के सापेक्ष 91 आवेदन बैंकों को प्रेषित 31 स्वीकृत तथा 23 आवेदनों के अन्तर्गत 70.79 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया है।

स्थानान्तरित समस्त कर्मी अपने नवीन तैनाती स्थल पर प्रत्येक दशा में ज्वाइन करे अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जाएगी – सीडीओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला विकास अधिकारी ने अवगत कराया है कि शासन द्वारा वर्ष 2025–26 के लिए निर्गत स्थानान्तरण नीति की समय सीमा समाप्त हो गयी है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में कडे निर्देश दिये गये है कि स्थानान्तरित समस्त कर्मी अपने–अपने नवीन तैनाती स्थल पर प्रत्येक दशा में योगदान करले अन्यथा शासकीय नियमों के अन्तर्गत कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित कर दी जायेगी। यदि किसी कर्मी को अपने हुए स्थानान्तरण से कोई अपरिहार्य परेशानी उत्पन्न हुई होतो वह किसी भी कार्य दिवस मे अपना आवेदन पत्र नियमानुसार उचित माध्यम द्वारा प्रस्तुत कर सकते है।

फर्जी अधिवक्ताओं को पकड़ने के लिए 23 सदस्यीय कमेटी गठित

गोरखपुर, (संवाददाता)। सिविल कोर्ट में फर्जी अधिवक्ताओं को पकड़ने की कवायद शुरू हो गई है। बार एसोसिएशन ने बुधवार को फर्जी अधिवक्ताओं को पकड़ने के लिए 23 सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मृत्युंजय राज सिंह के नेतृत्व में गठित कमेटी फर्जी अधिवक्ताओं की जांच कर इसकी रिपोर्ट एसोसिएशन को सौंपेगी। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भानु प्रताप पांडेय व मंत्री गिरिजेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि कमेटी में मृत्युंजय राज सिंह संयोजक व स्नेहा मिश्रा, पुष्पा सिंह, अनिल पासवान, अनुराग उपाध्याय, अभिषेक पांडेय सह संयोजक बनाए गए हैं। रविंद्र भूषण धर दूबे, वेद भूषण रावत, आशुतोष पांडेय, अनूप शुक्ल, आदर्श शुक्ल, बृजेंद्र सहाय मिश्र, सुमित कुमार मिश्र, उपाध्याय को सदस्य बनाया गया है।

प्रो. सुभी के समर्थन में एससी-एसटी वर्ग के शिक्षक-कर्मचारी

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में जारी अनंतिम वरिष्ठता सूची पर रार सामने आने लगी है। इसे लेकर बुधवार को डीडीयू एससी–एसटी कर्मचारी कल्याण संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष प्रो. गोपाल प्रसाद के नेतृत्व में कुलपति प्रो. पूनम टंडन से मिला। इस दौरान उन्होंने समाजशास्त्र की प्रो. सुभी धुसिया की वरिष्ठता का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि कुछ प्रोफेसरों की सेवाएं जोड़े जाने के लिए नियमों को दरकिनार किया गया है। विश्वविद्यालय के संविधान में इस बात का उल्लेख है कि किसी शिक्षक की किसी दूसरे संस्थान में एक साल से कम सेवा है तो वह नहीं जुड़ेगी। सूची में समाजशास्त्र की प्रो. सुभी धुसिया से जिस शिक्षक को वरिष्ठ बताया गया है, उन्होंने दूसरे संस्थान में एक साल की सेवा पूरी नहीं की थी। इससे प्रो. सुभी धुसिया की वरिष्ठता प्रभावित हुई है। प्रो. गोपाल प्रसाद के मुताबिक, कुलपति ने आश्वासन दिया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। नियमानुसार जो होगा, वह किया जाएगा। इससे पूर्व एससी–एसटी कर्मचारी कल्याण संघ की बैठक हुई। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि प्रो. सुभी धुसिया को विभागाध्यक्ष पद से नियम विरुद्ध तरीके से हटाया गया था। इस मामले को संगठन द्वारा कुलपति के समक्ष उठाया जाएगा। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष प्रो. आलोक गोयल, डॉ बृजेश कुमार, डॉ जितेन्द्र कुमार, अर्जुन सोनकर व प्रवीन राना आदि मौजूद रहे। डीडीयू में करीब साढ़े तीन साल बाद शिक्षकों की वरिष्ठता सूची 7 जुलाई को जारी हुई थी।

1.38 करोड़ से पांच वार्ड में छह नालियों का होगा निर्माण

भदोही, (संवाददाता)। नगर पंचायत घोसिया में 1.38 करोड़ की लागत से पांच वार्डों में छह नालियों का निर्माण कराया जाएगा। चेयरमैन बेबी अबरार ने बुधवार को नाली निर्माण का शिलान्यास किया। कहा कि नगर में जल निकासी की समस्या थी। इसको देखते हुए प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया था। अब धनराशि स्वीकृत होने के बाद निर्माण शुरू कराया गया है।नगर में जिन–जिन वार्ड में नालियां बनाई जाएंगी, उसमें वार्ड नंबर 4 में 28.26 लाख की लागत से बुद्धू के मकान से बहवा तक, वार्ड नंबर छह में शिविर रोड पुलिया से बस्ती तक और उल्ला नाऊ मोड़ से शंभू के मकान तक 35. 01 लाख, वार्ड नंबर 11 में मिश्रानी पुलिया से नाला तक 28.76 लाख, वार्ड नंबर दो में 26.01 लाख, वार्ड नंबर 11 में 21.04 लाख की लागत से नाली निर्माण काम होगा। घोसिया नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 हिम्मतगंज में 8.89 लाख की लागत से 5 हार्सपावर का सबमर्सिबल और पाइप लाइन विस्तार कार्य का चेयरमैन बेबी अबरार ने बुधवार को शिलान्यास किया। हर घर नल योजना के तहत वार्ड में पेयजल की समस्या समाधान के लिए सबमर्सिबल कार्य का शिलान्यास करने के बाद चेयरमैन ने कहा कि हर वार्ड की समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान नवाब अहमद, अबरार अहमद, नन्हे, डॉ. इकबाल आदि रहे। नईबाजार नगर पंचायत के वार्ड नंबर–2 शहीद नगर के दिन बहुरने वाले हैं। वंदन योजना से नगर पंचायत ने वार्ड में एक करोड़ से विकास कार्यों का खाका तैयार किया है। अगले तीन महीनों में वार्ड सीसी रोड, अंडर ग्राउंड नाली और सड़क के दोनों ओर प्रकाश व्यवस्था से जगमगा उठेगा। चेयरमैन निर्मला सोनकर ने बताया कि वार्ड नंबर दो शहीद नगर में हनुमान मंदिर और डीह बाबा मंदिर के बीच की सड़क जर्जर हो गई है। दोनों मंदिरों के बीच की पांच सौ मीटर सड़क को सीसी निर्माण कराने का निर्णय लिया गया है।

नौकरी का झांसा देकर खुलवाया बैंक खाता, खुद का नंबर डाल लाखों का किया लेन–देन

गोरखपुर, (संवाददाता)। जालसाजों ने किशोरी को प्रतिष्ठित कंपनी में ऑनलाइन नौकरी का झांसा देकर वेतन भुगतान के नाम पर खाता खुलवा लिया। इसके बाद खाते में अपना नंबर रजिस्टर्ड कर एक माह में लाखों रुपये का लेन–देन कर दिया। थाने में सुनवाई न होने के बाद पीड़िता ने एसएसपी से शिकायत की है। पुलिस ने शाहपुर पुलिस को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पिपराइच के एक गांव की रहने वाली संजय निषाद की 17 वर्षीय बेटी एक निजी कॉलेज में बीए की छात्रा है। छात्रा ने बताया कि जून में एक प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट में पढ़ाई के दौरान ऑनलाइन टेली कॉलिंग की नौकरी का ऑफर दिया गया था। जालसाज ने वेतन के लिए एक खाता खुलवाने की बात कही। झांसे में आई छात्रा ने बीते 9 जून केनरा बैंक की राप्तीनगर शाखा में खाता खुलवा लिया। आरोप है कि खाता खुलवाने के दौरान कंपनी के एक शख्स ने मोबाइल नंबर बदलवा दिया। कुछ दिन बाद नई दिल्ली के एक पते पर एटीएम कार्ड और पासबुक का फोटो कॉपी मंगवा लिया। इसमें दो मोबाइल नंबर भी लिखा हुआ था। 11 जुलाई को जब वह बैंक वेतन निकालने पहुंची तो बैंक कर्मियों ने बताया कि उसके खाते से पिछले एक माह में लाखों रुपये का लेन–देन किया गया है। वर्तमान में खाते में कोई धनराशि नहीं है। जब उसने पते पर लिखे गए नंबर से संपर्क किया तो वह बस्ती निवासी एक युवती की निकली।

अनुमान से नहीं, भक्ति से बनते हैं हनुमान– महंत एकनाथ महाराज

बस्ती, (संवाददाता)। ओजस्वी फाउंडेशन के अध्यक्ष राजर्षि महंत एकनाथ महाराज ने कहा कि माइंड रीडिंग एक कला है, न कि कोई चमत्कार। जो विद्यार्थी इस विद्या को सीखते हैं, उन्हें सबसे पहले मनुष्य की बॉडी लैंग्वेज को पढ़ने और समझने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह पूरी तरह अनुमान और अभ्यास पर आधारित होती है, जिसे मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस विद्या के जानकार स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि यह कोई चमत्कार नहीं, बल्कि एक मानसिक कला है। वे बनकटी विकास खण्ड के थाल्हापार गांव में लक्ष्मण तिवारी के आवास पर आयोजित एक सतसंग में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आज कुछ लोगों ने इसी अनुमान विद्या को "हनुमान" का रूप दे दिया है। भगवा पहनकर, माइंड रीडिंग के नाम पर पर्चियों के माध्यम से लोगों को यह विश्वास दिलाया जा रहा है कि वे चमत्कार कर सकते हैं। यह न केवल धर्म का अपमान है, बल्कि श्री हनुमानजी की भक्ति की मर्यादा का भी हनन है। महंत एकनाथ महाराज ने स्पष्ट किया कि हनुमान अनुमान से नहीं बनते, हनुमान तो प्रभु श्रीराम की अखंड भक्ति, तप और समर्पण से बने हैं। वे अंजनी माता की कोख से जन्म लेकर धरती पर आए, और उन्होंने अपना जीवन केवल श्रीराम की सेवा और धर्म की रक्षा को समर्पित कर दिया।

आज इन पाखंडियों द्वारा अनुमान को हनुमानष् बनाना धर्म और समाज दोनों के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने धर्मगुरुओं और सरकार से अपील की कि इस बढ़ते अंधविश्वास और पाखंड के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं और जनता को भ्रमित करने वाले ढोंगियों को उजागर किया जाए।

बैंक में पंजीकृत नंबर से बनवाया एटीएम, खाते से निकाले 1.98 लाख

भदोही, (संवाददाता)। महजूदा गांव निवासी हरिहर चौहान के खाते से ठगों ने 1,98,400 रुपये निकाल लिए। उनके बैंक अकाउंट से जुड़ा नंबर बंद होने पर किसी अज्ञात व्यक्ति के नाम से जारी हो गया है। इसके बाद उसने बैंक में ऑनलाइन आवेदन कर एटीएम जारी कराया और खाते से कई बार में रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि अभी तक उसका मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

बाढ़ चौकियों के कर्मचारी रहें अलर्ट, गंगा के जलस्तर पर रखी जाए नजर

भदोही, (संवाददाता)। गंगा नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बुधवार को जिलाधिकारी शैलेश कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने डेंगुरपुर, हरिरामपुर, छछूआ भूर्रा, इटहरा गांव का निरीक्षण किया। कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। गंगा तट पर पहुंच कर ग्रामीणों से बातचीत की। 22 बाढ़ प्रभावित चौकियां बनाई गई हैं। डीएम ने संभावित कटान व बाढ़ के दृष्टिगत स्थानीय लोगों से बात करके समस्याएं पूछी। छछूआ में महिलाओं ने डीएम से प्रतिवर्ष होने वाले कटान से कृषि क्षेत्र, आवास प्रभावित होने की समस्याओं से अवगत कराया। स्थापित बाढ़ शरणालय, बाढ़ चौकी का निरीक्षण किया। बाढ़ चौकियों के कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। गंगा के जलस्तर पर निरंतर नजर रखी जाए। गंगा का जलस्तर बढ़ने पर किसी गांव वालों परेशानी होती है, तो उसकी सहायता की जाए। गंगा नदी का चेतावनी बिंदु 80.20 मीटर है, वर्तमान में जलस्तर 76. 65 मीटर है। यमुना और बेतवा नदियों में जलस्तर वृद्धि होने के कारण तीन सेंटीमीटर प्रतिघंटे से नदी के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। बाढ़ के दृष्टिगत बनाई गई टीमें लगातार निगरानी करती रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।